Coronavirus CivActs Campaign (CCC) सँ सरकार, सञ्चार माध्यम, संघसंस्था आ आम नागरिक बिचक सूचनाके दुरी कम कएक देशभैरसं संकलन कएलगेल हल्ला, नागरिकक जिज्ञासा आ प्रश्नसभ संकलन कए तथ्य पत्ता लगाएक आम नागरिकके सूचित करैत अछि । एहिसं आम नागरिकक आवश्यकताके पहिचान करवाक साथे हल्लासभहक कोनो नकारात्मक असर पहुचावस पहिलेहि सान्दर्भिक तथ्य आम नागरिक सभमे प्रवाह कए जोखिम न्युनिकरण करैत अछि ।

अविरल वर्षाके कारण एक हप्तामे देशभैर भेल विपदके घटना

२८
जिल्ला प्रभावित

५०
कोई जान गुमौलक

३२
कोई बेपत्ता

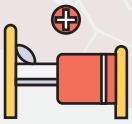

२९
कोई घायल

३३,११३
कोई प्रभावित

२,१५६
कोईके उद्धार

मानविय क्षतिके तुलना करबै त, चाईर महिनामे कोभिड - १९ सँ जान गुमाबवलाके संख्या सँ बेसी एक सप्ताहमे बाईढ आ भूस्खलनसँ जान गुमाबवलाके संख्या बहुते छै । ई प्रकृया हरेक वर्ष दोहोराईत रहै छै । बाईढ आ भूस्खलन होबवला क्षेत्रके पहिचान कलक समय रहिते वस्ती व्यवस्थापन कर सकलउ त दुर्घटना न्यूनिकरण कल सकैत छी ।

स्रोत: http://drrportal.gov.np/uploads/document/1566.pdf

नेपाल अपडेट

कैलालीके धनगढी स्थित यातायात कार्यालयमे सुरक्षा मापदण्ड विपरित लाईनमे रहल सेवाग्राहीके भीड
तस्बिर: गंगा भण्डारी

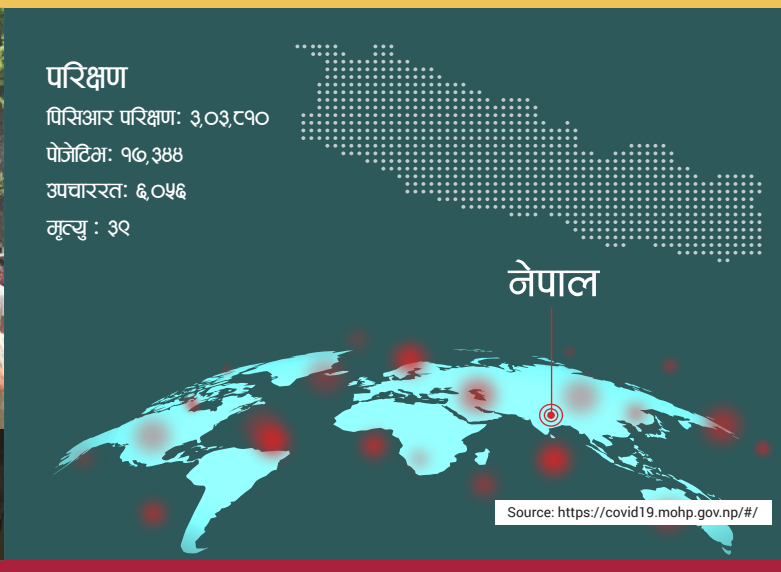

हल्ला र तथ्य

कि निजि अस्पतालमे कोभिड - १९ के बिमारीसभके ईलाजमे प्रत्यक्ष रूपसँ लागल स्वास्थ्यकर्मी तथा आरो कर्मचारीके लेल अलग्गे दैनिक २००० के दर सँ रकम बुझाब परैत छै ?

अई सँ पहिले जारी भेल "कोभिड-१९ के बिमारीसभके ईलाजमे प्रत्यक्ष रूपमे लागल स्वास्थ्यकर्मी तथा आरो कर्मचारीके व्यवस्थापन सम्बन्धी मार्ग निर्देशन २०७७" अनुसार तेहन स्वास्थ्यकर्मी तथा कर्मचारीके लेल गुणस्तरिय तथा स्वस्थ्य खानपान, सरसफाई आ आवासके व्यवस्था मिलाब सरकारद्वारा प्रति आदमी प्रति दिन रु २००० के दर सँ अस्पतालके उपलब्ध करायब कहने छलै । ई व्यवस्था सरकारी अस्पतालके हकमे मात्रे लागु हेतै । निजि अस्पतालके हकमे सरकारद्वारा प्रस्ताव कएलगेल लागत रकममे समावेश कएल मानल जेतै । अईके लेल कोनो अतिरिक्त रकम नै तिर परतै ।

स्रोत: https://drive.google.com/file/d/1Les4fw4GvPvqrrX8_eFIo1qNJoTKDt7u/view

अखन कोरोना महामारीके समयमे बहुते स्वास्थ्य तथा राहत सामग्री प्रकृया नै पुगाक हचुवाके भरमे किनल गेलै कहादन । अईसँ त विपत्तीमे भ्रष्टाचार करवलाके उकसेलकै त ?

कोनो भी सामान किनके लेल खरिद ऐनके पालना कलक मितव्ययी तरिका सँ किन परैत छै । लेकिन, आपतकालिन अवस्थामे कानुनके पालना आ मितव्ययिताके आइमे मानविय जोखिमके स्थिती निर्माण नै होबके चाहि । एहन अवस्थामे अधिकार प्राप्त अधिकारीके निर्णय सँ अलग्गे प्रकृया अवलम्बन कयल जा सकैत अछि तथापि लम्बा समयतक एहन प्रकृया अवलम्बन करनाईके औचित्यपूर्ण नै मानल जेतै । तै सँ अईके लेखापरीक्षणके जोखिम क्षेत्रके रुपमे लेल जाईत छै । लेकिन, एकर मुल्यांकनके अलग्गे व्यवस्था छै ।

स्रोत: https://oagnep.gov.np/wp-content/uploads/2018/09/Disaster-Mgmt-Audit-Guide-72.04.18.pdf

सरकारद्वारा बजेट अभावके कारण कोरोनाके ईलाजमे खटल करारके सब स्वास्थ्यकर्मी/कर्मचारी हटा रहल अछि कहादन । आब त बिमारीके आरो दिक्कत होबवला छै ।

चालु आ.व.मे करारमे भर्ना भेल कोभिड-१९ के प्रयोगशाला आ फ्रन्ट डेस्कके स्वास्थ्यकर्मी तथा चिकित्सक, नर्स लगाएतके कर्मचारीसभके आगामी आ.व.के पुष मसान्ततक निरन्तरता देबके स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय निर्णय केने छै । लेकिन, एहन कर्मचारीके आवश्यक बजेटके सुनिश्चितता कलक मात्रे करारके निरन्तरता देब सेहो कहने छै ।

स्रोत: https://mohp.gov.np/attachments/article/611/Upload%20in%20Website%20.pdf

आब स्थानीय सरकार बेरोजगारके रोजगारी दरहल छै कहादन ।

लकडाउनके समयमे राहत पाबवलाके सूचीमे परल लगाएतके आधारमे, स्थानीय रोजगार सेवा केन्द्रके समन्वयमे प्रदान होबवला १०० दिनके न्यूनतम रोजगारीमे सूचिकृत होब चाहवलासभके लेल सूचना जारी भेल छै । अईके लेल २०७७ साउन ८ गतेसँ भाद्र ७ गते तक निवेदन दल सकैत छी । २०७६ चैत्र १० गते तक नियमानुसार रोजगार सेवा केन्द्रमे निवेदन देने आदमीके ओहि निवेदन अनुसार स्थानीय तह सूचिकरणके प्रकृया आगु बढाओत ।

स्रोत: https://www.mofaga.gov.np/uploads/notices/Notices-20200715164147792.pdf

WhatsApp मार्फत हमरासभके विषयमे नियमित ताजा जानकारी पाब

१. आहाके कन्ट्याक्ट लिस्टमे +2760806146 एड करु
२. उपरका कन्ट्याक्ट नम्बरमे Nepal लिख्क म्यासेज पठाउ

COVID-19 को बारेमा बुझ्न नि:शुल्क हटलाईन

viamo द्वारा प्रस्तुत

कोभिड - १९ सम्बन्धि मंगानियेमे जानकारी लेबके लेल आहाके NTC सिमकार्ड सँ ३२१०० मे डायल करु

accountabilitylab NEPAL

Open Migration

मुख्य गन्तव्य राष्ट्रमा रहेका नेपाली कामदार

साउदी अरव	कुवेत	बहराईन	कतार	युएई	ओमान	मलेसिया	दक्षिण कोरिया
३,३४,४५१ नेपाली	७१,१२३ नेपाली	२६,००० नेपाली	४,०६,९१० नेपाली	२,२४,९०५ नेपाली	१७,०५७ नेपाली	५,००,००० नेपाली	३८,८६२ नेपाली
२,४०,४७४ संक्रमित	५७,६६८ संक्रमित	३४,५६० संक्रमित	१,०४,९८३ संक्रमित	५५,८४८ संक्रमित	६२,५७४ संक्रमित	८,७३७ संक्रमित	१३,६१२ संक्रमित
१,७५० नेपाली संक्रमित	१००० नेपाली संक्रमित	४५१ नेपाली संक्रमित	२०,६०० नेपाली संक्रमित	२००० नेपाली संक्रमित	४५ नेपाली संक्रमित	८१ नेपाली संक्रमित	
९ मृत्यु भएका नेपाली	४ मृत्यु भएक नेपाली	३ मृत्यु भएका नेपाली	७ मृत्यु भएका नेपाली	२५ मृत्यु भएका नेपाली	१ मृत्यु भएका नेपाली		

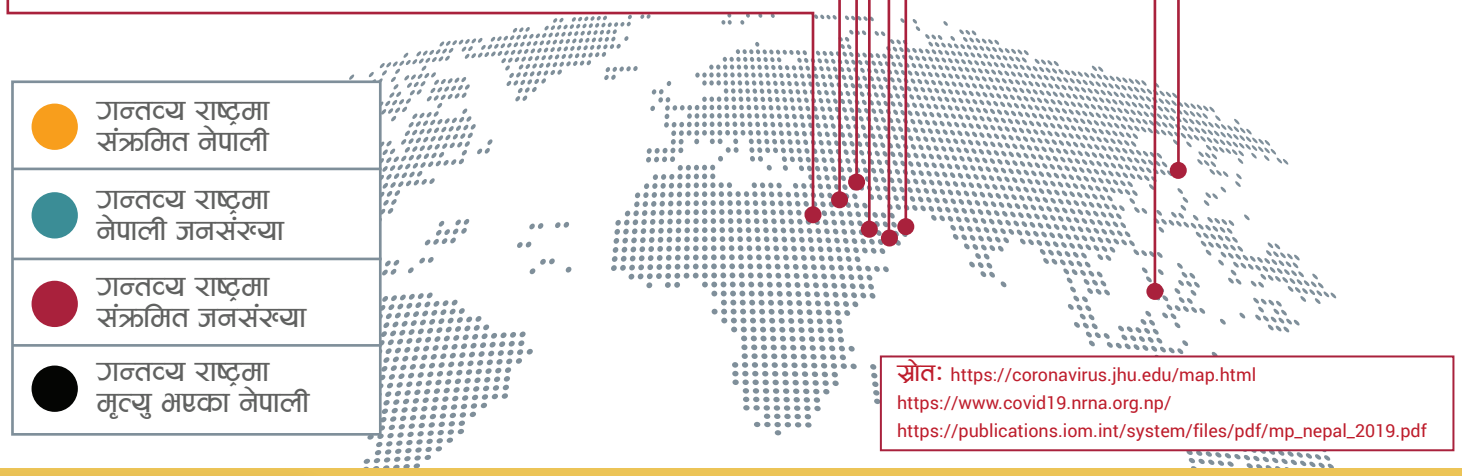

स्रोत: https://coronavirus.jhu.edu/map.html
https://www.covid19.nrna.org.np/
https://publications.iom.int/system/files/pdf/mp_nepal_2019.pdf

ShramikSanjal

युएईमे भेल भिषा सम्बन्धी परीवर्तन - नविकरण करेलापर कहिया सँ जरिवाना लागत ?

यदि रेसिडेन्सी भिषा (पासपोर्टमे लागल भिषा), छै त,

- आहाँके भिषा मार्च १ सँ अप्रिल अन्त्य तकमे खतम हेतै त, अखने सँ (जुलाई १२ सँ लागू कयल जा सके तै अनुसार) नविकरण कल सकैत छी । आहाँके १२ अक्टोवर, २०२० सँ जरिवाना लागत ।
- यदि आहाँके भिषाके म्याद मई १ सँ जुनके अन्त तकमे खतम भगेल अछि, त अगस्त १८ सँ भिषा नविकरण हेतै । नोभेम्बर १० सँ जरिवाना लागत ।
- यदि आहाँके भिषा १ जुलाई सँ ११ जुलाई तकमे खतम भ रहल अछि त, सेप्टेम्बर १० सँ भिषा नविकरण हेतै । डिसेम्बर १० सँ जरिवाना लागत ।

भिजिट या टुरिष्ट भिषा छै त,

यदि आहाँलग भिजिट या टुरिष्ट भिषा अछि त, अगस्ट १२ तक मात्रे समय छै । तेकरबाद जरिवाना लागत । अगष्ट १२ भितर आहाँके या त देश छोईर देब परत, या त Employment भिषा लगाब परत । यदि Employment भिषा लगेबै त, अईके लेल जल्दिये प्रकृया चल परतै ।

accountabilitylab NEPAL

$ फलो द मनी - खर्चको अर्थ

संघिय सरकार

जम्मा

तिन पटक गरेर नेपाल सरकार अर्थ मन्त्रालय मार्फत छुट्याईएको

करिब १ अर्ब ४८ करोड

कोरोना भाईरस जोखिम नियन्त्रण, रोकथाम तथा नियन्त्रण कोषमा जम्मा

करिब २ अर्ब २६ करोड

दाता

ए.डि.बि.
करिब ३० अर्ब ३३ करोड

विश्व बैंक
करिब ३ करोड ४८ लाख

आई.एम.एफ.
करिब १५ अर्ब ८८ करोड

युरोपियन युनियन
करिब ९ अर्ब ९४ करोड

खर्च

कोरोना भाईरस विरुद्धका गतिविधिमा नेपाल सरकारले गरेको खर्च स्वास्थ्य मन्त्रालयलाई निकासा

करिब ४ अर्ब १० करोड

रक्षा मन्त्रालय मार्फर्त कोरोना रोकथाम र नियन्त्रणका लागि चाहिने स्वास्थ्य उपकरण खरिदको लागि

२ अर्ब ३४ करोड निकासा

प्रदेश सरकार

प्रदेश	प्रदेश १	प्रदेश २	बागमती प्रदेश	गण्डकी प्रदेश	प्रदेश ५	कर्णाली प्रदेश	सुदुरपश्चिम प्रदेश
जम्मा रकम	करिब २९.४ करोड	करिब २६.६ करोड	करिब ४२.९ करोड	करिब १८.३ करोड	करिब १५.६ करोड	करिब २५.४ करोड	करिब ४२.५ करोड
खर्च गरिएको रकम	करिब १९.३ करोड	करिब १३.३ करोड	करिब १३.६ करोड	करिब १५.४ करोड	करिब ७.७९ करोड	करिब २३.९ करोड	करिब ३६.४ करोड

प्रदेश नं. ५ के स्थानीय तहमे निकासा भेल रकम

रु. ६०,००,०००

अनुगमनके लेल जिला समन्वय समितिके निकासा भेल रकम

रु. ७३,००,०००

७३ गाउँपालिका

रु. ४,८५,००,०००

३२ नगरपालिका

रु. ८५,००,०००

४ उप-महानगरपालिका

रु. १३,६०,००,०००

स्थानीय तहसभमे निकासा भेल जम्मा रकम

accountabilitylab NEPAL

$ फलो द मनी - खर्चको अर्थ

२०७७ जेठ महिनातक प्रदेश नं ५ मे कोरोना प्रतिकार्यमे भेल खर्च

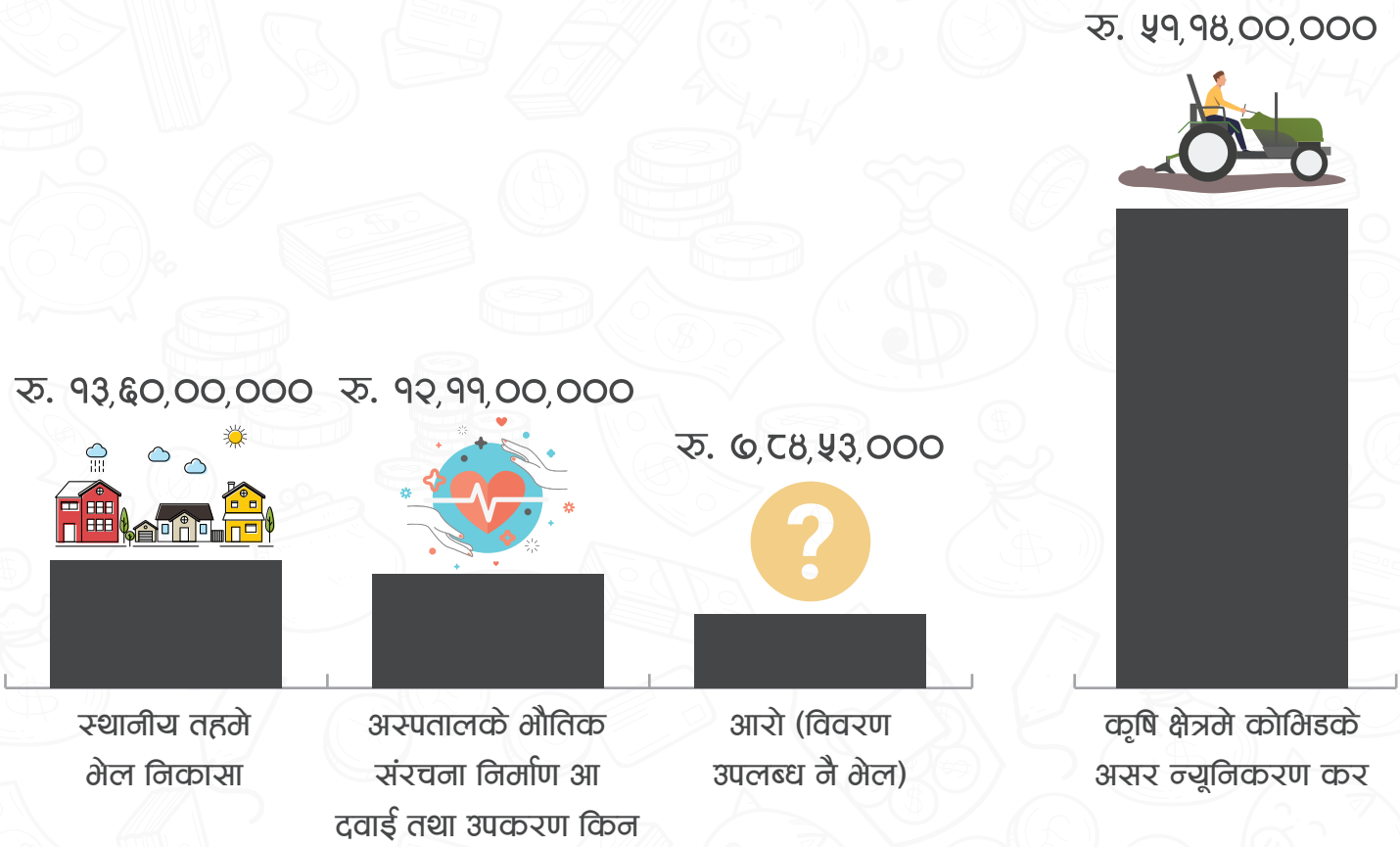

प्रदेश नं. ५ कोरोना भाईरस सँ सब सँ बेसी प्रभावित भेल प्रदेश छै । २०७७ जेठ तकके तथ्यांक देखबै त, प्रदेश सरकारद्वारा ३३ करोड ५० लाख रुपैया कोभिड सम्बन्धी गतिविधीमे खर्च केने छै । जत, ५१ करोड १० लाख रकम कृषि क्षेत्रमे कोभिडके असर न्यूनिकरण कर खर्च केने छै । कृषि क्षेत्रमे लगानीके माध्यमसँ जिविकोपार्जन उठाब सरकारद्वारा कएलगेल लगानीके सकारात्मक रुपमे लेब सकैत छी, लेकिन विनियोजित रकमके विवरण संकलन कर नै सकलौ ।

शुरुके अवस्थामे क्वारेन्टाईन सुविधा आ आईसोलेशन सेवाके लेल कहिक बइका रकम (१३ करोड ६० लाख) स्थानीय तहके वितरण कएलगेल छै । स्वास्थ्य संरचना निर्माण कर, स्वास्थ्य उपकरण आ दवाई किनमे दोसर १२ करोड ११ लाख खर्च कएलगेल छै । ७ करोड ८० लाख रुपैयाँ सँ बेसी खर्चके विवरण नै खुलाएल गेल छै ।

प्रदेश सरकारद्वारा जिला संकट व्यवस्थापन केन्द्रके मातहतमे भेल खर्चके कोनो जानकारी उपलब्ध नै करेने छै । प्राय: जेना गतिविधीसभ कोरोना संकट व्यवस्थापन केन्द्रके सिमा क्षेत्रमे आदमीके उद्दार करने आ क्वारेन्टाईनसँ आदमीके आईसोलेशनमे लल्जाय सँ सम्बन्धित छै । तै सँ ई खर्चके विवरणसभ सार्वजनिक भेनाई जरुरी छै ।

नोट: हमरासभके उद्देश्य सरकारद्वारा कयलगेल बढिया काज आ छुट्याओलगेल बजेटके विषयमे सबके जानकारी होई आ तेकरबाद अई विषयमे नागरिक आ आरो सरोकारवालाके बीचमे बातचित भलक सरकारके पर्याप्त पृष्ठपोषण प्राप्त होई से अछि । एत प्रस्तुत विवरण पूर्ण नै छै । उपलब्ध माध्यमसँ संग्रह कलक राखलगेल अछि । आरो सही तथ्यांक संकलन कलक परिमार्जन करैत जायब । अईमे सबकोईके सहयोग क देब लेल आग्रह करैत छी ।

accountabilitylab NEPAL

कि कोभिड - १९ विश्वव्यापीकरणके उल्टा दिशामे धकईल रहल छै ?

कोभिड - १९ कोनो नै कोनो तरिका सँ विश्वव्यापीकरणके नकारात्मक पक्षके बाहर आनने छै । सिमापार होबवला आदमीके आवाजाही, सरसामान आ ईन्धनके आयात निर्यातके असर एकर उदारहण छै, जे वर्तमान विश्वके अपरिहार्यता जेहन भेल छै । हावापानी परिवर्तन, आतंकवाद आ आणविक प्रसारके पहिले सँ विश्वव्यापीकरणके असरके रुपमे देखल जाई छलै । लेकिन, अखन एकटा छोट जगह सँ शुरु भेल संक्रमण केना विश्वव्यापी महामारीके रुप लेब सकैय से देखल जा सकैत छै ।

अखन कोभिड - १९ सँ, विश्वव्यापीकरणमे स्थायी रुपमे असर करके अनुमान कयल गेल छै । अन्तरदेशिय सम्बन्ध, हुनकासभके आर्थिक व्यवहार आ जनमत देखला सँ, अखन तक हासिल भेल सब उपलब्धीसभ परिवर्तन होब सकके सम्भावना छै । कोभिड - १९ के कारण सँ विश्वव्यापीकरणमे पारने किछ प्रमुख असरसभ निम्नानुसार छै:

१. आर्थिक संरक्षणवाद

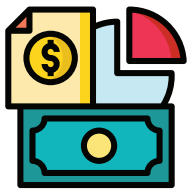

विश्वव्यापी आपूर्ति चेन आ एक दोसरके बीचके निर्भरतामे अवरोध आ द्रुत आर्थिक मन्दी सँ देशसभ आतंकित भेल अछि । अहि क्रममे विभिन्न राष्ट्र तथा राष्ट्रके नेतृत्वकर्तासभ आर्थिक राष्ट्रवाद आ संरक्षणवादके पक्षमे तिव्र रुपमे वकालत कलरहल अछि । आत्मनिर्भरता, स्थानीयकरण आ आर्थिक सुरक्षा जेहन विषयसभके बेसी चर्चा भरहल छै । अहि क्रममे, बहुतो देशसभ स्थानीय उत्पादनके वृद्धि करब, व्यापारके पुरान अवस्थामे आनब आ आयातके कम करके उपायसभ खोजिरहल अछि । उदाह(रणके लेल, युरोपियन युनियन, स्वीटजरल्याण्ड आ भारत हालसालेमे महामारीके समयमे दवाईजन्य उपकरणके निर्यातमे रोक लगेलक अछि ।

स्वास्थ्य सेवामे परनिर्भरतामे सिखौने पाठसँ बहुतो देशसभके आरो क्षेत्रमे सेहो ध्यान देब झकझकौने अछि । लकडा(उनके बाद बहुते देशसभ अपन व्यापार आ वैदेशिक लगानीके नीति परिवर्तन कल सकैत अछि आ विदेशी कम्पनीसभके बेसी लाभ लेबसँ रोकला नियामक निकायके स्थापना कल सकैत अछि ।

२. अन्तरराष्ट्रिय यात्रामे रोक आ पर्यटन

कोभिड - १९ के रोकथामके उपायके रुपमे बहुते देशसभ यात्रामे रोक लगेने अछि । हवाई सेवासभ बन्द अछि । अई सँ विमान कम्पनीसभके ऋण बढिरहल अछि आ हुनकासभके ठाट पल्टके अवस्थामे पुग सकैय । ग्लोबल ट्राभल डाटा प्रोभाईडरके अनुसार, हवाई सेवा कोरोना महामारी पूर्वके अवस्थामे आब सन् २०२२ सँ २०२३ तक रुक परत । साथसाथे, कोरोनाके कारण आदमीसभ अनलाईन प्रवि(धके माध्यमसँ काम कर अभ्यस्त होईत गेलाके कारण सेहो लम्बा समयतक यात्रामे निकलके सम्भावना कमे छै । तहिना कलक, आर्थिक मन्दी आ बढैत राष्ट्रवादी प्रवृतीके कारण सेहो अन्तरर(ष्ट्रिय पर्यटनमे कमी आयत । अन्तरराष्ट्रिय हवाई उडानमे बन्देजके कारण पर्यटन व्यवसाय धरासायी भेल छै । कोभिड - १९ के बाद सेहो अईके निरन्तरता पाबके सम्भावना ओतबे छै ।

३. विश्व श्रम बजार

सरकारद्वारा अन्तरराष्ट्रिय यात्रामे लगाएलगेल बन्देजके कारण विश्व श्रम बजारमे बइका असर परल छै । तहिना कलक, स्वदेश आ गन्तव्य राष्ट्र बिचके समन्वयके कमी, सम्बन्धित देशके सरकारके कमजोर व्यवस्थापन आ स्वदेश फिर्ता होबमे समस्याके कारण विश्व बजारमे श्रमिकके संख्यामे गिरावट आएल छै । ई समस्याके जल्दिये समाधान भेनाई नै देखाई छै । देशसभमे बहुतेके संख्यामे उद्योगसभ बन्द, आर्थिक मन्दी, स्थानीय रोजगारीमे कामदारके प्राथमिकता आ आरो बहुते कारण सँ सेहो कोभिड - १९ के बाद विश्व श्रम बजार प्रभावित होब सकैय ।

फ्रन्टलाईनर्स भोईसेस्

बिर्मला देवि बुइथापा

उप-प्रमुख

साफेबगर नगरपालिका, अछाम

"कोरोना भाईरस हमरा सिखेने सबसँ बइका पाठ कहबै त, स्थानीय तहके सेहो आबवला बइका संकटके लेल श्रोत सम्पन्न भलक तैयारी अवस्थामे रह परैछै से छै । तत्कालिन अवस्थामे भारतसँ आएल आदमीके व्यवस्थापन करनाई भेलाके बावजुद, काईल्हके दिनमे खाद्य सुरक्षा आ भुखमरी सँ बनवला परिस्थितीके लेल तैयारी अवस्थामे रह परत । एककोई जनप्रतिनिधिमे सेहो कोरोना पुष्टि भेल छै, लेकिन एना कहिते मे हमसभ जिम्मेबारी सँ पाछु हट नै मिलत ।"

बिप्लव भधिकारी

चिकित्सक

काग्रेश्वरी मनहरा नगरपालिका अस्पताल

"हमरासभके अस्पतालमे पहिल केस पुष्टि भेलापर आरो दिनजेना हमसभ नास्ता खारहल छलौ । जब अस्पताले के एक आदमी उ समाचार ललक आयल । तेकर बाद हमरे सबमे सँ एकटा कर्मचारी पागल जेना हाँस लागल त आरो होशहवास उडी गेल । लेकिन, हमसभ अपने प्रोटोकल बनाक जेहनकोनो भी अवस्थाके लेल तैयार भेलाके कारणे सहजता सँ आगु बढ् सकलौ । आईके मितितक हमरासभके क्वारेन्टाईनमे रहल ४ कोई सहित जम्मा ८ कोईमे संक्रमण भेल पुष्टि केने छी ।"

सिता कुमारी शर्मा

स्वास्थ्यकर्मी

सुर्खेत

"संगे काम करवला सहकर्मीमे कोरोना संक्रमण पुष्टि भेल । तै हिसाब सँ हमर सेहो परिक्षणके लेल नमुना संकलन केने अछि । परिणाम नै एलातक हम संक्रमित सेहो नै छी आ सुरक्षाके हिसाबसँ होम क्वारेन्टाईन मे रह परत । लेकिन, जै समुदायके हम सुचित आ सचेत कराबैत छलौ, उहेसभ आई बहिस्कृतके दृष्टि सँ देखैत अछि । हम एकटा प्रतिनिधि पात्र मात्रे छी, प्राय: स्वास्थ्यकर्मीके भोगाई एहने छै । एहन अवस्थामे दिनराईत खटवला स्वास्थ्यकर्मी कोन मनोबलके साथ काज करत अपने कल्पना क सकैत छी ।"

सही सूचना

दक्षिण एशियामे प्रति १० लाख जनसंख्यामे परीक्षण आ संक्रमितके संख्या

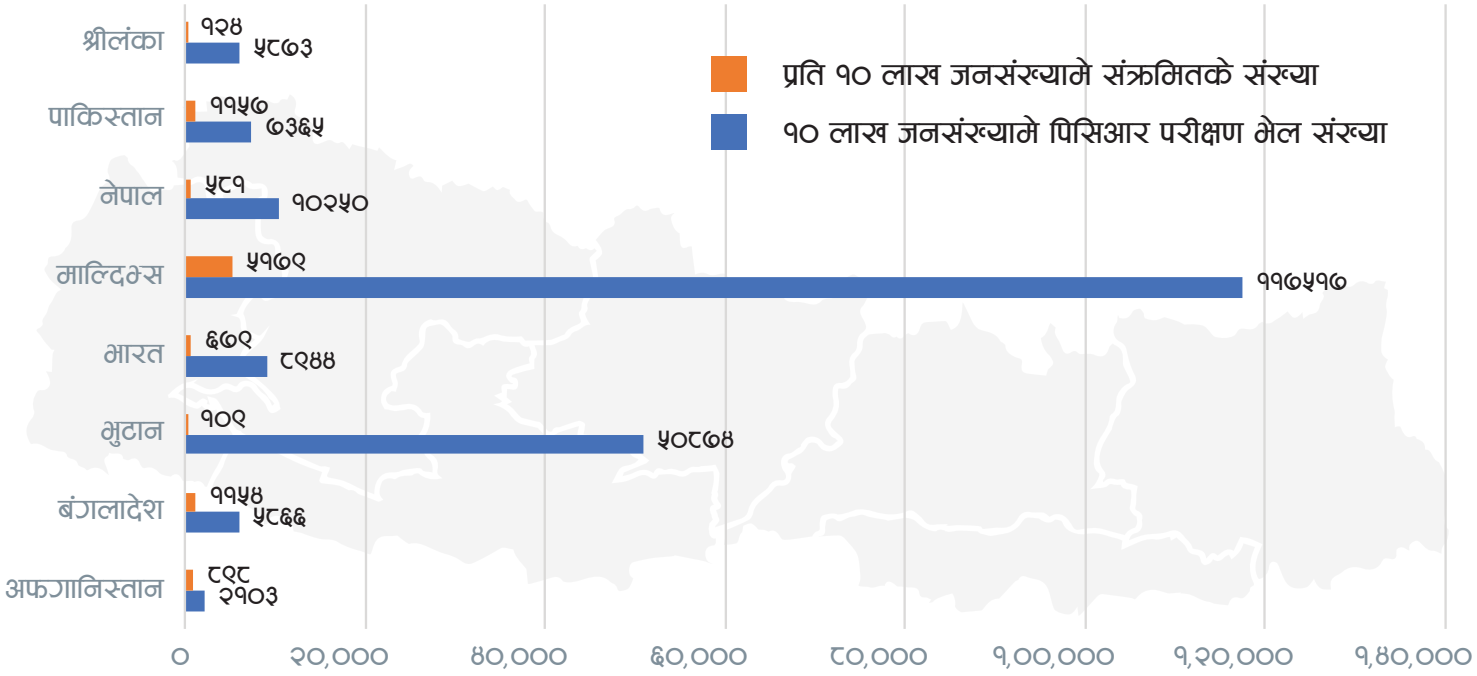

उपरका ग्राफसँ दक्षिण एशियामे प्रति दशलाख जनसंख्यामे भेल कोभिड - १९ के परीक्षण तै मे संक्रमण पुष्टि भेलके संख्याके देखाबैत छै । प्रति १० लाख जनसंख्यामे बेसी परीक्षण करवला देशसभमे नेपाल तेसर स्थानमे परैछै । जतँ प्रति १० लाखमे जम्मा संक्रमण पुष्टि भेल देशसभमे भुटान आ श्रीलंका के बाद कमे संक्रमण पुष्टि भेल देशमे नेपाल परैछै । पिछला चाईर महिनामे भेल सिमित टेष्टीङ किट आ सिमानाके समस्याके बावजुद सरकारके कोरोना रोकथाम तथा नियन्त्रणके प्रयासके मध्यम स्तरके मानल जा सकैय । लेकिन, अखनो सेहो कोरोना रोकथामके प्रयासमे सुधार करके पर्याप्त जगह देखल जासकैय, अई सँ नेपालके अवस्थाके आरो सुदृढ बनायल जा सकैय ।

स्रोत: HEOC, MoHP, SitRep

DISCLAIMER

एहि अंकमे समेटलगेल हल्ला, सवाल तथा सूचनासभ, बहुतरास संस्था तथा आदमी, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेब पेज, सामाजिक सञ्जाल, ७ टा प्रदेशमे रहल कम्युनिटी फ्रन्टलाईनर्स (समुदायमे आगु आबिक काज करवलासभ) आ सिभिक एक्सन टिम (नागरिक कार्य समूह) द्वारा अहि मई महिना भितर २००० सँ बेसी आदमीसंगेके बातचितसँ संकलन कएलगेल अछि । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दलक हल्ला, सवाल तथा जिज्ञासासभ चयन कएलगेल अछि । अई अंकमे समेटलगेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल मितितक सत्य अछि ।

Coronavirus CivActs Campaign is brought to you by **Accountability Lab Nepal.**

accountabilitylab communities

@CivicActionTeams @civacts @CivActs

CivActs | Email: civactsnp@accountabilitylab.org | Phone: 9851203219